



RISHABH TIRPATHI



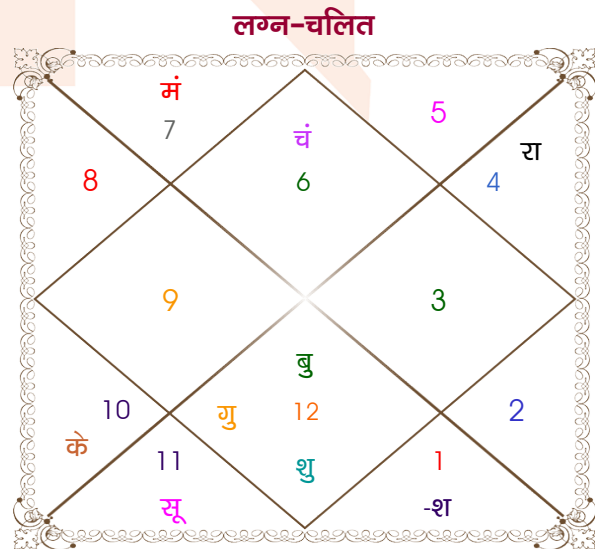
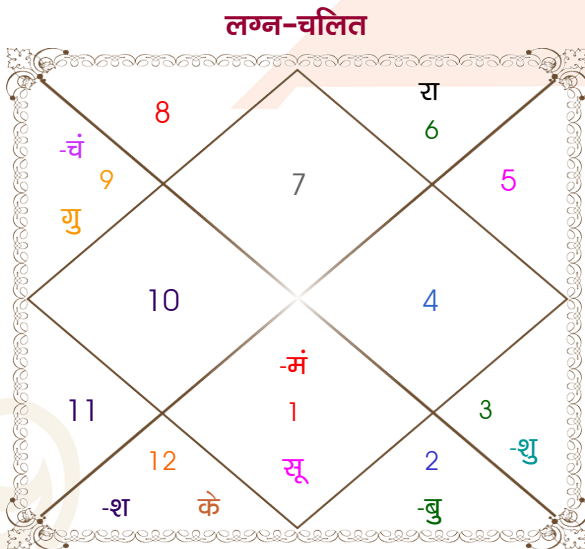
UBHRA PANDEY (PRAGYA PANDEY)

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121728503

पुल्लिंग :	लिंग	स्त्रीलिंग
06/05/1996 :	जन्म तिथि	05/03/1999
सोमवार :	दिन	शुक्रवार
घंटे 18:45:00 :	जन्म समय	20:20:00 घंटे
घटी 33:33:34 :	जन्म समय(घटी)	34:54:49 घटी
India :	देश	India
Ayodhya :	स्थान	Akbarpur
26:47:00 उत्तर :	अक्षांश	26:25:00 उत्तर
82:12:00 पूर्व :	रेखांश	82:32:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:12 :	स्थानिक संस्कार	00:00:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:34 :	सूर्योदय	06:20:32
18:36:28 :	सूर्यास्त	18:02:49
23:48:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:34

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 5वर्ष 2मा 21दि		25:08:23	तुला	लग्न	कन्या	22:12:43	मंगल 4वर्ष 1मा 9दि	
सूर्य		22:28:34	मेष	सूर्य	कुंभ	20:44:05	गुरु	
28/07/2021		03:22:51	धनु	चंद्र	कन्या	28:50:28	13/04/2021	
28/07/2027		09:02:18	मेष	मंगल	तुला	17:23:05	13/04/2037	
सूर्य	14/11/2021	04:33:04	वृष	व बुध	मीन	08:30:51	गुरु	02/06/2023
चन्द्र	16/05/2022	23:50:33	धनु	व गुरु	मीन	10:50:28	शनि	13/12/2025
मंगल	21/09/2022	01:10:18	मिथु	शुक्र	मीन	20:35:11	बुध	20/03/2028
राहु	15/08/2023	09:28:14	मीन	शनि	मेष	06:36:37	केतु	24/02/2029
गुरु	03/06/2024	23:02:38	कन्या	व राहु	कर्क	28:08:07	शुक्र	26/10/2031
शनि	16/05/2025	23:02:38	मीन	व केतु	मक	28:08:07	सूर्य	13/08/2032
बुध	22/03/2026	10:46:30	मक	हर्ष	मक	20:41:43	चन्द्र	13/12/2033
केतु	28/07/2026	03:55:57	मक	व नेप	मक	09:30:37	मंगल	19/11/2034
शुक्र	28/07/2027	08:22:06	वृश्चि	व प्लूटो	वृश्चि	16:38:04	राहु	13/04/2037



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

RISHABH TIRPATHI का वर्ग मृग है तथा ँन्ठभ्त् । च।छक्म्ल्;च्।ळल् । च।छक्म्ल्छ्द्र का वर्ग मूषक है । इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है ।

अष्टकूट मिलान के अनुसार RISHABH TIRPATHI और ँन्ठभ्त् । च।छक्म्ल्;च्।ळल् । च।छक्म्ल्छ्द्र का मिलान अत्युत्तम है ।

मंगलीक दोष मिलान

RISHABH TIRPATHI मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है ।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः ।
कुजदोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है । क्योंकि मंगल RISHABH TIRPATHI कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है ।

क्योंकि RISHABH TIRPATHI कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

ँन्ठभ्त् । च।छक्म्ल्;च्।ळल् । च।छक्म्ल्छ्द्र मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है ।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता ।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि राहु ँन्डभ्त । च।छक्म्ल्;च।ळल । च।छक्म्ल्द्ध कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

RISHABH TIRPATHI तथा ँन्डभ्त । च।छक्म्ल्;च।ळल । च।छक्म्ल्द्ध में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।